BSES

अर्थ आवरः धरती मां को बचाने के लिए इस शनिवार 1 घंटा बिजली ऑफ रखें

30 मार्च रात 8:30 से 9:30 के बीच मनाया जाएगा अर्थ आवर

- दुनिया के 7000 से अधिक शहरों में मनाया जाएगा अर्थ आवर

नई दिल्लीः 25 मार्च। इस शनिवार रात 8:30 बजे से 9:30 बजे के बीच दिल्ली का नाम दुनिया के उन 7000 से अधिक शहरों में शामिल होगा, जहां लोग अपने घरों व कार्यस्थलों की गैरजरूरी लाइट्स को ऑफ रखकर, धरती मां व पर्यावरण को बचाने का संकल्प लेंगे।

धरती मां को बचाने के संकल्प के साथ, बीएसईएस ने अपने 42 लाख उपभोक्ताओं से अपील है कि वे आगामी 30 मार्च, शनिवार को पूरे जोश के साथ अर्थ आवर मनाएं, और रात 8.30 से 9.30 बजे के बीच स्वेच्छा से अपने घरों व कार्यस्थलों की गैरजरूरी लाइट्स व उपकरण बंद रखें। बीएसईएस खुद भी दिल्ली में 950 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले अपने 400 से अधिक ऑफिसों में अर्थ आवर के दौरान गैर जरूरी लाइट्स को ऑफ रखेगी।

पिछले साल अर्थ आवर के दौरान दिल्ली में 305 मेगावॉट बिजली की बचत हुई थी। इसमें, बीएसईएस इलाके में 183 मेगावॉट बिजली बचाई गई थी।

गिव अप टु गिव बैक स्लोगल के साथ इस बार के अर्थ आवर मुहिम को लॉन्च किया गया है। यह मुहिम, दुनिया के लाखों लोगों को अपव्ययी आदतों को छोड़कर ऐसी जीवनशैली अपनाने को प्रोत्साहित करेगी, जो धरती और जीवन के अनुकूल हो।

पर्यावरण के प्रति जागरूक कॉरपोरेट नागरिक के नाते बीएसईएस ने अपने उपभोक्ताओं से पेपर बिल्स की जगह, ई–बिल्स अपनाने की अपील की है। साथ ही, सौर ऊर्जा का विकल्प चुनने की सलाह भी बीएसईएस ने दी है।

गौरतलब है कि 2020 तक भारत में कागज की खपत 53 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसे में, हम सब का यह कर्तव्य है कि जंगल के इस अनमोल संसाधन का जिम्मदारी के साथ उपयोग करें। ई–बिल यानी इलेक्ट्रॉनिक बिल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

भारत में आमतौर पर साल के 320 दिन धूप खिलती है, लेकिन दुनिया की कुल सौर ऊर्जा के 1 प्रतिशत से भी कम सौर ऊर्जा यहां लगाई गई है। अगर हम बिजली के पारंपरिक स्रोतों को छोड़कर सौर ऊर्जा जैसे विकल्पों पर ध्यान दें, तो इससे धरती मां की रक्षा होगी।

बीएसईएस प्रवक्ता ने कहा– हम अपने उपभोक्ताओं से अपील करते हैं कि धरती मां को बचाने के लिए *गिव अप टु गिव बैक* नामक इस मुहिम को आगे बढ़ाएं। इससे धरती मां का, और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बेहतर होगा।

बीएसईएस ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे सूरज की रोशनी से बनने वाली अक्षय ऊर्जा का अधिक से अधिक इस्तेमाल करें और उन सैकड़ों बीएसईएस उपभोक्ताओं की लिस्ट में शामिल हों, जो अपने घर की छतों पर रूफऑप सोलर पैनल लगवाकर प्रदूषण रहित बिजली का उत्पादन कर रहे हैं।

अर्थ आवर को सफल बनाने के लिए बीएसईएस ने ये कदम उठाए:

- सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता
- अर्थ आवर से संबंधित एसएमएस
- ईमेल, बीएसईएस बेवसाइट और पोस्टर के माध्यम से संदेश
- कंज्यूमर न्यूज लेटर *संवाद* के माध्यम से अर्थ आवर मनाने की अपील
- कंपनी के हजारों कंप्यूटर– डेस्कटॉप्स पर भी अर्थ आवर से संबंधित मैसेज
- आरडब्ल्यूएज को संदेश

दरअसल, अर्थ आवर, बेहतर जीवन की दिशा में उठाया गया कदम है। यह सिर्फ एक घंटे का मसला नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इसे शामिल करना होगा। ग्लोबल वॉर्मिंग और जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर धरती मां के प्रति भी हमारी कुछ जिम्मेदारी बनती है। अर्थ आवर जैसे छोटे–छोटे प्रयासों से हम बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

अर्थ आवर ऐसे बदलावों की तरह है, जिन पर लोग आसानी से अमल कर सकते हैं। बात सिर्फ एक घंटे तक बिजली बंद रखने की नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे की सोच रखने का मामला है। हममें से हर किसी के पास बदलाव लाने की क्षमता है। हमें वह लक्ष्य पाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिस दिन अर्थ आवर की जरूरत ही न पड़े।

अर्थ आवर, डबलूडब्लूएफ (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर/ वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड) का सालाना कार्यक्रम है, जिसके तहत दुनियाभर के लोगों से अपील की जाती है कि वे जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, अपने घरों और कार्यस्थलों पर गैरजरूरी लाइट्स और बिजली चालित उपकरणों को तय समय के दौरान बंद रखें।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के बीच संयुक्त उद्यम हैं।

....